इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 739

16 अगस्त, 2012 को उत्तर के लिए

भारतीय इस्पात प्राधिकरण लिमिटेड (सेल) की उत्पादन-हानि

739. श्री एस. थंगावेलु:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सेल, जिससे अपने फॉलो-ऑन पब्लिक ऑफर द्वारा मार्केट का दोहन करने की आशा की जाती है, उत्पादन हानि के कारण इस्पात मंत्रालय की कड़ी आलोचना का शिकार हुई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या कंपनी के बर्नपुर, राउरकेला और भिलाई में स्थित इसके तीन संयंत्रों का आधुनिकीकरण संबंधी कार्यक्रम लंबित हो गया था जिसके परिणामस्वरूप लागत में बढ़ोत्तरी और उत्पादन में कमी हुई है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ड.) सेल द्वारा 2012-13 के लिए 19 मिलियन टन के उत्पादन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इसके आधुनिकीकरण संबंधी कार्यक्रम को यथासमय पूर्ण करने हेतु क्या कदम उठाए गए हैं ?

उत्तर

इस्पात मंत्री (श्री बेनी प्रसाद वर्मा)

(क) और (ख): मंत्रालय ने इस तथ्य पर चिंता प्रकट की है कि मुख्यतया भिलाई इस्पात संयंत्र में ब्लॉस्ट फर्नेस और कोक ओवन बैटरियों की मरम्मत और बोकारो इस्पात संयंत्र में बार-बार बिजली की बाधा के कारण 2011-12 में क्रूड स्टील का उत्पादन पिछले वर्ष में हुए उत्पादन से 3 प्रतिशत कम रहा है। सेल को अपने कार्य-निष्पादन में सुधार करने के लिए तत्काल उपाय करने की सलाह दी गई है। तथापि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) का नए शेयर जारी करके बाजार का दोहन करने का कोई प्रस्ताव नहीं है, तथापि, सरकार ने सेबी के नियमों और विनियमों के अनुसार शेयरों की बिक्री के प्रस्ताव के माध्यम से स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) में अपनी 85.82 प्रतिशत शेयरधारिता में से 10.82 प्रतिशत प्रदत्त इक्विटी का विनिवेश करने का निर्णय किया है।

(ग) से (ड.): राउरकेला इस्पात संयंत्र की विस्तार योजना उन्नयन अवस्था में है और इसके समय-अनुसूची के अन्दर पूरा हो जाने की संभावना है। इस्को इस्पात संयंत्र के विस्तार मामले में, कठिन और अप्रत्याशित मृदा स्थितियों, पत्थरों और टीलों आदि को हटाने में सिविल और संरचनात्मक निर्माण-कार्यों में काफी वृद्धि हो गई और अतिरिक्त समय लगना अपरिहार्य हो गया। भिलाई इस्पात संयंत्र (बीएसपी) के विस्तार के मामले में, ठेकेदारों द्वारा काम पर अपर्याप्त जनशक्ति लगाने, तकनीकी दृष्टि से सक्षम/दक्ष जनशक्ति की कमी और आधुनिक तथा पुख्ता उपकरण न लगाने के कारण समय-अनुसूची पर प्रभाव पड़ा था।

सेल ने परियोजना के निर्माण-कार्यों में तेजी लाने के लिए उपाय किए हैं जिनमें तेजी से निर्णय लेने के लिए शक्तियों के प्रत्यायोजन में वृद्धि करना, नए/अनुभव प्राप्त परियोजना प्रबंधकों की भर्ती/को पुन: काम पर लगाकर परियोजना प्रबंधन संगठन को सुदृढ़ करना, इस्पात, पाइप और सेल के अन्य उत्पादों की आपूर्ति के रूप में ठेकेदारों की सहायता करना, संयंत्र के भीतर और बाहर निर्माण यार्ड के लिए स्थान का प्रावधान करना ताकि ठेकेदार को ढांचे का निर्माण करने में सुविधा हो और ढुलाई में देरी कम की जा सके, सेल की आधुनिकीकरण और विस्तार योजनाओं में हुई भौतिक और वित्तीय प्रगति की आवधिक समीक्षा करने के लिए बोर्ड की उप-समिति गठित करना शामिल है।

****